पाठ्यक्रम (मास्टर केडर की भर्ती परीक्षा के लिए)

विषय : हिंदी

नोट : परीक्षा की कठिनाई का स्तर स्नातक रहेगा।

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. **आदिकाल व मध्यकाल**

I. (i) हिन्दी साहित्य का इतिहास, काल–विभाजन,सीमा निर्धारण और नामकरण
(ii) आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य.
(iii) आदिकाल की प्रमुख **परिस्थितियाँ** और प्रवृत्तियाँ

II.(i) भक्तिकाल की **परिस्थितियाँ**,प्रवृत्तियाँ और विभिन्न काव्य धाराएँ
(ii) संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य व कृष्ण काव्य : प्रमुख कवि और उनका योगदान
(iii) रीतिकाल–नामकरण, विभिन्न धाराएँ, **परिस्थितियाँ** और प्रवृत्तियाँ

III. प्रमुख कवि : चन्दबरदाई ,अमीर खुसरो, विद्यापति, कबीर, सूरदास,तुलसीदास, रैदास, केशव,जायसी, बिहारी, रहीम, मीराबाई और रसखान

2.आधुनिक काल

(i) आधुनिक काल की प्रमुख **परिस्थितियाँ** और प्रवृत्तियाँ ।
(ii) भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग,छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता –प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएँ

3.हिन्दी गद्य का **उद्भव** व विकास

कहानी ,उपन्यास, नाटक ,निबन्ध, **आत्मकथा,जीवनी, संस्मरण ,रेखाचित्र यात्रा** वृत्तांत,डायरी आदि ।

प्रमुख कवि : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, सुमित्रानन्दन पंत, सुभद्राकुमारी चौहान,हरिवंश राय बच्चन , रामधारी सिंह दिनकर

प्रमुख कहानीकार : जयशंकर प्रसाद, मुंशी प्रेमचन्द, जैनेन्द्र कुमार,मन्नू भंडारी, कृष्णा सोबती, सुदर्शन, कमलेश्वर,यशपाल ।

प्रमुख निबन्धकार : रामचन्द्र शुक्ल, रामवृक्ष बेनीपुरी, बाबू गुलाबराय हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ,महादेवी वर्मा, मुक्तिबोध,हरिशंकर परसाई

प्रमुख नाटककार :भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ,जयशंकर प्रसाद ,मोहन राकेश, जगदीशचन्द्र, विष्णु प्रभाकर,उपेन्द्रनाथ अश्क

(ख) समीक्षा सिद्धांत

(i) काव्य की परिभाषा तथा भेद , महाकाव्य,खंडकाव्य, गीतिकाव्य की परिभाषा तथा विशेषताएं।

(ii) गद्य विधाएं : निबन्ध, संस्मरण, जीवनी तथा आत्मकथा के स्वरूप एवं तत्वों का सामान्य परिचय।

(iii) उपन्यास की परिभाषा, तत्व और वर्गीकरण

(iv) कहानी की परिभाषा, तत्व और वर्गीकरण

(v) समीक्षा सिद्धांत : केवल नाटक और एकांकी - परिभाषा, तत्व और वर्गीकरण

(ग) व्याकरण

(i) **भाषा अरि लिपि ,वर्ण विचार, शब्द विचार ,पद विचार,वाक्य विचार**

(ii) **व्यावहारिक** व्याकरण : भाववाचक संज्ञा निर्माण ,विशेषण निर्माण, विपरीतार्थक शब्द,समानार्थक शब्द, समरूपी भिन्नार्थक शब्द,वाक्यांशों के लिए एक शब्द अनेकार्थक शब्द ।

(iii) **देवनागरी लिपि**:उद्भव और विकास,दोष का सुधार एवं दोष सुधार के लिए किए गए प्रयास। देवनागरी लिपि का मानक रूप तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण

(iv) **मुहावरे और लोकोक्तियाँ**

(घ) तकनीकी शब्दावली

प्रमुख पारिभाषिक शब्द (अंग्रेज़ी से हिंदी)

(ङ) अलंकार

अनुप्रास, यमक,वक्रोक्ति,उपमा,रूपक,अतिश्योक्ति,विरोधाभास,उत्प्रेक्षा

(च) छंद

दोहा, सोरठा, चौपाई, सवैया, कवित्त, कुंडलियाँ